परेशानी

ऑटो-टैक्सी स्टैंड और ठेलों ने घेरा रास्ता, नगर पालिका व यातायात विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

कृषि उपज मंडी परिसर बना अतिक्रमण और अव्यवस्था का अड्डा

नवभारत, शहडोल। शहर के बीचों-बीच स्थित कृषि उपज मंडी परिसर, जिसे स्थानीय लोग गंज के नाम से जानते हैं, आज अतिक्रमण, अवैध ऑटो-टैक्सी स्टैंड और यातायात अव्यवस्था का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है। हैरानी की बात यह है कि यह पूरा क्षेत्र थाना कोतवाली से महज 500 मीटर की दूरी पर स्थित है, लेकिन वर्षों से फैली अव्यवस्था पर न तो नगर पालिका की नजर पड़ रही है और न ही यातायात विभाग कोई ठोस कार्रवाई करता दिखाई दे रहा है। परिणामस्वरूप आम नागरिक रोजाना जाम, धूल, शोर और दुर्घटना के खतरे के बीच आवागमन करने को मजबूर हैं।

गंज के चारों ओर की सड़कों पर हालात ऐसे हैं कि सड़क कम और पार्किंग ज्यादा नजर आती है। ऑटो और टैक्सी चालकों ने दोनों ओर स्थायी कब्जा जमा रखा है, वहीं फल, सब्जी और मनिहारी के ठेले सड़क तक फैल गए हैं। सड़क का अधिकांश हिस्सा अतिक्रमण की भेंट चढ़ जाने से दो वाहन आमने-सामने आ जाएं तो निकलना मुश्किल हो जाता है। कई बार लंबा जाम लग जाता है, लेकिन जिम्मेदार विभाग केवल मूकदर्शक बने रहते हैं।

स्कूल-कॉलेज के छात्र सबसे ज्यादा परेशान

गंज मार्ग से सटी सब्जी मंडी में प्रतिदिन हजारों लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं। इसी मार्ग पर शहर के प्रमुख स्कूल, कॉलेज और प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर भी स्थित हैं। सुबह और दोपहर के समय बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं इसी रास्ते से गुजरते हैं, लेकिन सड़क पर बेतरतीब खड़े ऑटो, टैक्सी और ठेलों के कारण उन्हें जान जोखिम में डालकर निकलना पड़ता है। अभिभावकों का कहना है कि कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है, लेकिन प्रशासन को इसकी कोई चिंता नहीं है।

यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमराई

यातायात विभाग की निष्क्रियता भी सवालों के घेरे में है। शहर में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के दावे किए जाते हैं, लेकिन गंज क्षेत्र में न तो अवैध पार्किंग पर रोक लगाई जाती है और न ही ऑटो-टैक्सी के लिए कोई निर्धारित स्टैंड बनाया गया है। सड़क किनारे घंटों तक वाहन खड़े रहने से पूरे क्षेत्र में जाम की स्थिति बनी रहती है। कई बार एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहनों को भी निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते गंज क्षेत्र से अतिक्रमण नहीं हटाया गया और ऑटो-टैक्सी संचालन को व्यवस्थित नहीं किया गया तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। सबसे अधिक खतरा स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को है, जिन्हें भीड़ और वाहनों के बीच से निकलना पड़ता है। सवाल यह है कि जब शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल इस क्षेत्र की बदहाली वर्षों से सबके सामने है, तब नगर पालिका और यातायात विभाग आखिर किस बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहे हैं।

अतिक्रमण हटाने के दावे कागजों तक सीमित

नगर पालिका समय-समय पर अतिक्रमण हटाने के दावे तो करती है, लेकिन गंज क्षेत्र की तस्वीर कुछ और ही कहानी बयां करती है। यहां वर्षों से सड़क पर कब्जा जमाए बैठे लोगों के खिलाफकोई स्थायी कार्रवाई नहीं की गई। कार्रवाई होती भी है तो केवल औपचारिकता निभाकर कुछ घंटों बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रभावशाली लोगों और अवैध कब्जाधारियों पर कार्रवाई करने से जिम्मेदार अधिकारी बचते हैं। अब देखने वाली बात यह होगी कि जिम्मेदार विभाग कागजी कार्रवाई से आगे बढ़कर गंज को अतिक्रमण और अव्यवस्था से मुक्त कराने के लिए कोई ठोस कदम उठाते हैं या फिर आम जनता यूं ही रोजाना जाम और जोखिम के बीच सफर करने को मजबूर रहेगी।

स्लैब निर्माण कार्य में जमकर हो रही अनियमितताएं

नगर पालिका मौन

नवभारत, धनपुरी। वार्ड क्रमांक 12 में एक बार पुन: अमानक स्लैब निर्माण कार्य में वृहद अनियमितताएं देखने को मिली है वार्ड क्रमांक 12 स्थित कोलान दफाई में वार्ड नंबर 10 एवं 12 के मध्य बनी जर्जर नाली के ऊपर स्लैब निर्माण किया गया है हास्यास्पद बात यह की इस कार्य को जिस संबंधित फर्म के द्वारा किया गया वार्ड वासियों का कहना है की ठेकेदार ने वार्ड में कार्य लिया जरूर लेकिन अमानक और गुणवत्ताविहीन स्लैब किसी दूसरी जगह पर बनाकर यहां पर नाली के ऊपर लाकर सेट कर दिया पर सेट किया हुआ स्लैब देखकर प्रतीत यह होता है की किसी नवसिखिए ने स्लैब निर्माण कार्य में जमकर घोटाला किया है लेकिन चिंता की बात इससे भी ज्यादा यह है की नाली के ऊपर जो स्लैब एक व्यवस्थित और उन्नत रूप से रखे जाने चाहिए थे उन्हीं स्लैब्स को अव्यवस्थित एवं लीपापोती करते हुए नालियों के ऊपर रखकर खानापूर्ति कर दी गई है संबंधित ठेकेदार के द्वारा किया गया यह निर्माण कार्य सर्वदा अनुचित और भ्रष्टाचार युक्त दिखाई दे रहा है इस बार कार्यवाही ना होना संदेहास्पद है!

अभी कुछ दिन पूर्व ही वार्ड क्रमांक 04 धनपुरी में स्लैब निर्माण कार्य में हुई व्यापक भ्रष्टाचार का नवभारत समाचार पत्र ने खुलासा किया था और आज पुन: वार्ड क्रमांक 12 में अमानक स्लैब निर्माण कार्य दोनो ही वार्डों में हुए अमानक स्लैब निर्माण कार्य में हुई घोटाले पर नगरपालिका परिषद धनपुरी के उपयंत्री मनोज श्रीवास्तव और भ्रष्टाचार करने में ठेकेदार की पूरी निष्ठा से सहायता करने वाले सहायक उपयंत्री सिद्धार्थ सोनी की कार्यशैली सवालों के घेरे में है। अब देखना यह होगा कि खबर प्रकाशित होने के बाद नगर पालिका परिषद धनपुरी के जिम्मेदार इस अमानक निर्माण कार्य में हुई भ्रष्टाचार पर क्या कार्यवाही करते हैं।

इनका कहना है

मामला आपके द्वारा संज्ञान में आया है जांच उपरांत अमानक स्लैब निर्माण कार्य में कार्यवाही की जाएगी।
मनोज श्रीवास्तव उपयंत्री नगर पालिका परिषद धनपुरी

एक नजर में

भूमिगत खदान में व्यवस्था सुधार के लिए हो रहे सकारात्मक कार्य

नवभारत, धनपुरी। राजेंद्रा भूमिगत खदान एस, ए.सी, एल सोहागपुर क्षेत्र में उप क्षेत्रीय प्रबंधक पी हरी बाबू के नेतृत्व में व प्रयास के कारण कोयला उत्पादन व खदान की बेहतर व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से सुधार की दिशा में सकारात्मक रूप से कार्य किया जा रहा है जिसका सार्थक परिणाम भी अब दिख रहा पी हरी बाबू द्वारा दोनों भूमिगत खदानों में कोयला उत्पादन व सुरक्षा मानको दिशा में निरंतर प्रयास किया जा रहा है व कर्मचारियों को कार्य स्थल पर समय पर पहुंचने व अपने कार्यों को नियमों के साथ करने की सख्त हिदायत भी दी जा रही है इसके साथ ओटी संडे जैसी व्यवस्था पर अंकुश लगाने का कार्य किया गया वह उन कर्मचारियों को भी हिदायत दी गई जो विभिन्न यूनियनों से जुड़े होने के कारण अपने कार्यों के प्रति हमेशा अपने कार्यों को लेकर घोर लापरवाही करते हैं जिससे अन्य ईमानदार कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त होता है जो पूरी ईमानदारी के साथ अपना कार्य करते हैं इन्हीं विषयों को लेकर उप क्षेत्रीय प्रबंधक पी हरी बाबू ने स्पष्ट शब्दों में हिदायत दी की सभी कर्मचारी एक समान अपने कर्तव्यों का ईमानदारी के साथ पालन करेंगे जिससे मेहनत कश मजदूरों के अंदर भेदभाव की भावना उत्पन्न न हो सके पी हरी बाबू के इन प्रयासों से राजेंद्रा, खैरहा भूमिगत खदान सोहागपुर क्षेत्र में कोयला उत्पादन और बेहतर कार्य प्रणाली को लेकर एक नए मुकाम की ओर आगे बढ़ रही है जो सोहागपुर क्षेत्र में कोयला उत्पादन को लेकर नए कीर्तिमान की ओर अग्रसर रहने का प्रयास करेगी।

बुढ़ार में होगा 11 आर्यिका गुरु मां का चातुर्मास

नवभारत, बुढ़ार। अत्यंत पूर्ण उदय से बुढ़ार नगर में वारिश के चार महीनो में जैन साधु एवं साध्वी किसी एक धर्म स्थान में अपनी साधना में लीन होकर धर्म प्रभावना करते हैं । आचार्य विद्यासागर जी की शिष्या वर्तमान संघ आचार्य श्री समय सागर जी की आज्ञा सेआर्यिका 105 रिजु मति माताजी सहित कल्क 11 का चातुर्मास संभवत बुढ़ार में संपन्न होगा । इस हेतु अमरकंटक प्रवास से पद भ्रमण कर आज 12 जुलाई को शासकीय महाविद्यालय तिराहा धनपुरी बुढार स्थित श्री वासु पूज्य जिनालय जैन मंदिर के समक्ष प्रात: 8 बजे भव्य अगवानी की गई। जिसमें धनपुरी बुढार के जैन समाज के महिला पुरुषों ने गाजे बाजे के साथ अपनी सहभागिता निभाई। आर्यिका मां की चातुर्मास स्थापना हेतु बुढार नगर आज धज कर तैयार किया जा रहा है।

मलेरिया रिसर्च सेंटर में हंगामा, पति ने पत्नी को पीटा

नवभारत, जबलपुर। गढ़ा थाना अंतर्गत मलेरिया रिसर्च सेंटर में बच्चों की पढ़ाई के हक के लि पहुंची एक महिला के साथ सरेराह उसके पति ने पिटाई कर दी । आरोपी पति पिछले 7 साल से अपनी पत्नी और बच्चों को छोड़कर दूसरी महिला के साथ रह रहा है।

उधिया स्कूल में दस्त प्रबंधन एवं स्वच्छता पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

नवभारत, शहडोल। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खंड शहडोल के निर्देशानुसार स्टॉप डायरिया अभियान-2026 के अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, ग्राम उधिया में दस्त प्रबंधन एवं स्वच्छता विषयक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को दस्त से बचाव, स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल के महत्व के प्रति जागरूक करना था।

कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को दस्त होने के प्रमुख कारण, उससे बचाव के उपाय, उचित उपचार, ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन) एवं जिंक की उपयोगिता, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल के उपयोग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को नियमित रूप से साबुन से हाथ धोने, खुले में शौच से बचने तथा आसपास का वातावरण स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम के उपरांत विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणों को स्वच्छता अपनाने, सुरक्षित पेयजल का उपयोग करने तथा दस्त से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया। रैली के माध्यम से लोगों को स्वच्छ आदतें अपनाकर बीमारियों से बचने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खंड शहडोल के पीएमयू जिला आईईसी समन्वयक रोहणी कुमार बर्मन ने दस्त प्रबंधन, स्वच्छता एवं सुरक्षित पेयजल के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने तथा दस्त जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए जन-जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया।

जनजातीय समाज की निजी भूमि पर भूमाफिया का कब्जा

नवभारत,धनपुरी। शहडोल जिले की सुप्रसिद्ध मंदिर कंकाली माता मंदिर जिसका नाम संपूर्ण मध्य प्रदेश में सुविख्यात है आस्था और विश्वास के धार्मिक स्थल पर हर वर्ष बड़ी संख्या में जिले के श्रद्धालु एवं आम आदमी साथ ही महिलाए दर्शन हेतु पहुंचती हैं कंकाली माता मंदिर ये वही पवित्र स्थान है जिसकी विशेषता अभी कुछ माह पूर्व मध्य प्रदेश टूरिज्म की आधिकारिक वेबसाइट से प्रचार प्रसार किया गया था किंतु आज इस स्थल के रक्षा और व्यवस्थाओं को संभालने वाले ही कुछ तथाकथित समाजसेवी असहाय जनजातीय परिवार की गरिमा के साथ खिलवाड़ करने पर उतारू है शहडोल जिले के सोहागपुर तहसील अंतर्गत ग्राम अंतरा के निवासी

छुन्नेलाल कोल की अराजी खसरा क्रमांक 221/1(5) निजी भूमि को मंदिर ट्रस्ट के कुछ सदस्यों पर हड़पने का आरोप लगा है शहडोल जिले की पहचान जनजातीय बाहुल्य जिले के रूप में है और यहां के तीन विधायक और सांसद जनजातीय समाज से ही आते हैं इसके बाद भी जिस तरह से षडयंत्र करके मंदिर ट्रस्ट के द्वारा पीड़ित शोषित वंचित उपेक्षित वर्ग की पुस्तैनी जमीन पर कब्जा कर अवैध रूप से निर्माण कर पार्किंग स्थल के रूप में उसे संचालित करना मंदिर ट्रस्ट के ऊपर बेहद गंभीर प्रश्न चिन्ह खड़े करता है।

छुन्ने लाल कोल के अनुसार मंदिर ट्रस्ट के कुछ सदस्यों का नाम लेते हुए जबरन जमीन हड़पने का आरोप लगाते हुए शासन प्रशासन के कार्यशैली पर सवाल उठाए है छुन्नें लाल कोल ने आरोप लगाया है की बृजलाल पटेल रमाकांत विश्वकर्मा के द्वारा मेरी निजी भूमि के कागजात से छेड़छाड़ किया जा रहा है और शासन और प्रशासन को गुमराह कर कूटरचित दस्तावेजों का उपयोग करके उन्हे धोखे में रखकर जमीन हड़पने का षड्यंत्र लगातार रचा जा रहा है पीड़ित ने आरोप लगाया है कि लगातार अधिकारियों से सांठ गांठ करके मेरी जमीन को कब्जाने के बात बृजलाल और रमाकांत करते हैं और कहते हैं की हमारा कोई कुछ नही कर सकता तहसील सिंहपुर हो या एसडीएम मैडम या पटवारी निर्णय हमारे पक्ष में ही देंगे लेकिन न्याय की जगह प्रशासनिक अमला जे. सी. बी लाकर उल्टा घर तोड़ दी छुन्नेलाल कोल ने मध्य प्रदेश के माननीय राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन राज्य अनुसूचित जनजातीय आयोग साथ ही जिले के कलेक्टर और कमिश्नर एवं सांसद विधायक से गुहार लगाई है की मेरी पुस्तैनी निजी भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को हटवाए जाने का निर्देश जारी करें अन्यथा मैं परिवार समेत आत्मदाह करूंगा जिसका संपूर्ण जवाबदेही जिला शहडोल कलेक्टर एवं तहसीलदार सिंहपुर पटवारी अंतरा और बृजलाल पटेल और रमाकांत विश्वकर्मा की होगी

12 दिवसीय जैविक खेती प्रशिक्षण का समापन, महिलाओं ने दी लिखित व मौखिक परीक्षा

स्व-सहायता समूह की महिलाओं को जैविक सब्जी उत्पादन, नर्सरी प्रबंधन और स्वरोजगार की दी गई व्यावहारिक ट्रेनिंग

नवभारत,शहडोल। सेंट्रल बैंक ऑफइंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) शहडोल में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से आयोजित 12 दिवसीय जैविक सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी प्रबंधन प्रशिक्षण का समापन लिखित एवं मौखिक परीक्षा के साथ हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाली स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर स्वरोजगार के लिए तैयार करना था। संस्थान के संचालक विप्लव चंद्रा ने बताया कि प्रशिक्षण में ब्यौहारी, बुढार, जयसिंहनगर, गोहपारू और सोहागपुर विकासखंड की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जैविक सब्जी उत्पादन, नर्सरी प्रबंधन, उन्नत कृषि तकनीकों तथा स्वरोजगार से जुड़े विभिन्न पहलुओं की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी दी गई। परीक्षा का आयोजन रूडसेटी, भारत सरकार, भोपाल के परीक्षा नियंत्रक एवं प्रमाणीकरण अधिकारी ओम प्रकाश चतुर्वेदी के निर्देशन में किया गया। सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी प्रबंधन विषय की परीक्षा रामसुख दुबे (कटनी) तथा बैंकिंग विषय की परीक्षा पवन कुमार पांडे (शहडोल) ने संपन्न कराई।

व्यावहारिक कौशल का भी हुआ मूल्यांकन

परीक्षा में प्रतिभागियों का मूल्यांकन नर्सरी प्रबंधन, सब्जियों के बीज एवं उन्नत किस्मों की जानकारी, जैविक तरीके से कीट एवं रोग नियंत्रण, मिट्टी परीक्षण, जैविक खाद एवं जैविक कीटनाशक निर्माण, मल्चिंग, स्प्रिंकलर एवं ड्रिप सिंचाई, पॉलीहाउस तकनीक, बैंकिंग सेवाओं, बीमा योजनाओं तथा उद्यमिता विकास जैसे विषयों पर किया गया। वहीं प्रायोगिक परीक्षा में केंचुआ खाद निर्माण, जैविक खाद एवं कीटनाशकों की तैयारी, सब्जी नर्सरी विकसित करने तथा पौधों में बडिंग तकनीक का प्रदर्शन भी कराया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं परीक्षा आयोजन में संस्थान के कर्मचारी दुर्गेश गुप्ता, ज्ञान सागर एवं अंजलि गुप्ता का विशेष योगदान रहा। प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को जैविक खेती एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन मिला।

18 जुलाई को लगेगी चेक बाउंस मामलों की विशेष लोक अदालत

50 हजार रुपये तक के मामलों के शीघ्र निराकरण पर जोर, बैंक व वित्तीय संस्थाओं के अधिकारियों के साथ हुई समन्वय बैठक

नवभारत,शहडोल। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष के.एन. सिंह के मार्गदर्शन में 18 जुलाई 2026 को नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट की धारा 138 के तहत लंबित चेक अनादरण (चेक बाउंस) प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी) दीपाली शर्मा को जिला समन्वयक नियुक्त किया गया है। उनके निर्देशन में जिले के विभिन्न बैंक एवं वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई।बैठक में विशेष न्यायाधीश ने बैंक एवं फाइनेंस कंपनियों के अधिकारियों से चेक बाउंस मामलों के त्वरित एवं अधिकतम निराकरण के लिए समन्वय स्थापित करने पर चर्चा की। विशेष रूप से 50 हजार रुपये से कम राशि वाले प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने पर जोर दिया गया। साथ ही विभिन्न न्यायालयों में लंबित मामलों की सूची उपलब्ध कराते हुए अधिक से अधिक प्रकरणों को विशेष लोक अदालत में प्रस्तुत करने तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

आरपी दुबे की प्रथम पुण्यतिथि पर संगीतमय अखंड रामचरितमानस पाठ प्रारंभ

नवभारत,गोहपारू। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ गोहपारू के संरक्षक एवं पूर्व जिला योग प्रभारी शहडोल के बड़े भाई, स्वर्गीय रामानुज प्रसाद दुबे (आर. पी. दुबे), सेवानिवृत्त एफसीआई कर्मचारी, का 25 जून 2025 को आकस्मिक निधन हो गया था। उनकी प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर अमर निवास, बरतोना हाउस, वार्ड क्रमांक 29, शहडोल में 12 जुलाई 2026 से संगीतमय अखंड श्रीमद् रामचरितमानस पाठ का शुभारंभ किया गया।

अखंड मानस पाठ की पूर्णाहुति के उपरांत श्रद्धांजलि सभा एवं पुण्यतिथि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर शहडोल, सतना, मैहर, सीधी, रीवा, जबलपुर सहित विभिन्न जिलों से परिजन, रिश्तेदार, आत्मीयजन एवं इष्टमित्र शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की सभ्यता एवं संस्कृति का भी सुंदर समागम देखने को मिलेगा।उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय आर. पी. दुबे का अंतिम संस्कार उनके पुत्र रोहित कुमार दुबे द्वारा शहडोल नगर के वार्ड क्रमांक 29 में किया गया था। उनकी प्रथम पुण्यतिथि भी उसी स्थान स्थित अमर निवास, बरतोना हाउस में श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण में संपन्न हो रही है। इस अवसर पर उनके भाई महेश प्रसाद द्विवेदी एवं रमाकांत द्विवेदी, भतीजे श्रवण कुमार, विकास सरकार, विक्रम साहब द्विवेदी, पुत्र अमर दुबे, अमित दुबे, रोहित दुबे, दामाद धर्मेन्द्र चतुर्वेदी, राजेश कुमार, बल्लू, अजय राधारमण पाण्डेय, पुत्रियाँ कमलाक्षी, सुषमा, वंदना, अंजना, दुर्गा, मोनू, तथा भतीजियाँ वंदना, संध्या, अर्चना एवं पूजा सहित समस्त परिजनों और स्नेहीजनों ने स्वर्गीय आर. पी. दुबे को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी पुण्य स्मृति को नमन किया।

महर्षि विद्या मंदिर के विद्यार्थियों ने किया भजन-हनुमान चालीसा पाठ

चंदनिया ग्राम में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

नवभारत,शहडोल। महर्षि विद्या मंदिर, शहडोल के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने महर्षि आध्यात्मिक जन जागरण अभियान के अंतर्गत प्राचीन कंकाली देवी मंदिर में सामूहिक भजन-कीर्तन एवं श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर आध्यात्मिक चेतना का संदेश दिया। श्रद्धा एवं भक्ति से परिपूर्ण इस आयोजन में विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों और नैतिक जीवन के महत्व को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार ने मंदिर परिसर में सामूहिक प्रार्थना कर देश, समाज एवं विश्व के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बताया कि आध्यात्मिकता व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक सोच, अनुशासन, संस्कार और आत्मविश्वास का विकास करती है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। इसके उपरांत विद्यालय परिवार ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत चंदनिया ग्राम पहुंचकर बड़े उत्साह के साथ पौधरोपण किया। इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए। विद्यार्थियों ने पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।विद्यालय के शिक्षकों ने कहा कि बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच पौधरोपण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रत्येक व्यक्ति यदि अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण प्रदान किया जा सकता है। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए प्रकृति संरक्षण, जल बचाने और स्वच्छ पर्यावरण बनाए रखने का संकल्प लिया।

उपलब्धि

43 करोड़ से बढ़कर लगभग 100 करोड़ रुपये तक पहुंचा लाभ, महाप्रबंधक बीके जेना की कार्यशैली का दिखा असर

सुरक्षा को प्राथमिकता, उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी : एसईसीएल सोहागपुर एरिया ने बनाई नई पहचान

नवभारत,धनपुरी। एसईसीएल सोहागपुर एरिया में वर्तमान समय में सुरक्षा और उत्पादन के बीच बेहतर संतुलन स्थापित करते हुए लगातार उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की जा रही हैं। एरिया की लगभग सभी कोयला खदानों में उत्पादन बढ़ा है और प्रतिदिन 20 हजार टन से अधिक कोयला उत्पादन किया जा रहा है। उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराया जा रहा है, जिससे दुर्घटनाओं की रोकथाम और सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। यही कारण है कि सोहागपुर एरिया आज एसईसीएल के प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। एरिया महाप्रबंधक बी.के. जेना की कार्यशैली को इस उपलब्धि का प्रमुख आधार माना जा रहा है। वे नियमित रूप से एरिया की सभी खदानों का निरीक्षण कर उत्पादन, सुरक्षा व्यवस्था तथा विकास कार्यों की समीक्षा करते हैं। निरीक्षण के दौरान जहां कहीं भी कोई कमी या समस्या सामने आती है, उसके तत्काल निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाते हैं। उनकी प्राथमिकता केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि सुरक्षित और व्यवस्थित कार्य संस्कृति विकसित करना भी है।

सुरक्षा के साथ लगातार बढ़ रहा उत्पादन

सोहागपुर एरिया की सभी खदानों में सुरक्षा नियमों का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है। आधुनिक तकनीक, नियमित निरीक्षण और कर्मचारियों की सतर्कता के कारण उत्पादन निरंतर बढ़ रहा है। वर्तमान समय में एरिया का प्रतिदिन कोयला उत्पादन 20 हजार टन से अधिक बना हुआ है। लगभग सभी परियोजनाओं में उत्पादन वृद्धि दर्ज की जा रही है, जिससे एरिया लगातार अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। प्रबंधन का मानना है कि उत्पादन तभी स्थायी रूप से बढ़ सकता है, जब सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो। इसी सोच के साथ प्रत्येक खदान में सुरक्षा मानकों की नियमित समीक्षा की जा रही है तथा आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

लाभ में ऐतिहासिक बढ़ोतरी

सोहागपुर एरिया ने वित्तीय उपलब्धियों के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। वित्तीय वर्ष 2025-26 की अप्रैल से जून तिमाही में एरिया को 43 करोड़ रुपये का लाभ प्राप्त हुआ था, जबकि वित्तीय वर्ष 2026-27 की इसी अवधि में यह लाभ बढ़कर लगभग 100 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। कम समय में लाभ में हुई यह वृद्धि बेहतर प्रबंधन, उत्पादन क्षमता में इजाफा, संसाधनों के प्रभावी उपयोग और लागत नियंत्रण का परिणाम मानी जा रही है। ऐसा मानना है कि यदि इसी प्रकार उत्पादन और वित्तीय अनुशासन बनाए रखा गया, तो आने वाले समय में सोहागपुर एरिया एसईसीएल के सर्वाधिक लाभ अर्जित करने वाले क्षेत्रों में शामिल हो सकता है।

बेहतर प्रबंधन का दिख रहा सकारात्मक परिणाम

महाप्रबंधक बी.के. जेना के नेतृत्व में उत्पादन बढ़ाने के लिए योजनाबद्ध रणनीति अपनाई गई है। मशीनों के बेहतर उपयोग, समयबद्ध कार्य निष्पादन, नियमित मॉनिटरिंग और अधिकारियों-कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय का सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उत्पादन लक्ष्य लगातार पूरे हो रहे हैं और कार्य प्रणाली पहले की अपेक्षा अधिक प्रभावी बनी है।कार्यालय स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकों के माध्यम से कार्यों की निगरानी की जाती है, वहीं खदानों में स्वयं पहुंचकर वास्तविक स्थिति का आकलन भी किया जाता है। यही कार्यशैली एरिया को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक साबित हो रही है।

समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान

महाप्रबंधक केवल उत्पादन संबंधी मामलों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि एरिया मुख्यालय से लेकर प्रत्येक खदान तक मौजूद व्यवस्थाओं पर लगातार नजर बनाए रखते हैं। जहां कहीं भी कोई कमी दिखाई देती है, उसके तत्काल समाधान के निर्देश दिए जाते हैं। उनका प्रयास रहता है कि किसी भी प्रकार की प्रशासनिक या तकनीकी समस्या का असर उत्पादन और कर्मचारियों के कार्य पर न पड़े।

गंदे नाले का रूप ले लेता है पुरानी बस्ती अण्डर पास

जलभराव, अंधेरा, टूटी सड़क, अपराध मुख्य समस्या

रेलवे फाटक संघर्ष समिति ने रेल मंत्री को भेजा ज्ञापन

नवभारत,शहडोल। शहडोल शहर का बंद रेलवे फाटक और उसके स्थान पर बनाया गया रेलवे अंडरपास आम जनता के लिए राहत के बजाय बड़ी मुसीबत बन गया है। रेलवे फाटक संघर्ष समिति ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को 13 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन भेजकर अंडरपास की बदहाल स्थिति पर कड़ा विरोध जताया है। समिति ने साफ चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो हजारों नागरिक रेलवे कार्यालय के सामने विशाल जनआंदोलन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन की होगी। समिति का कहना है कि करीब तीन वर्ष पहले रेलवे फाटक बंद कर अंडरपास शुरू किया गया था, लेकिन यह निर्माण शुरू से ही अव्यवस्थित और अनुपयोगी साबित हुआ है। शिवम होटल की ओर से आने वाला नाला अंडरपास के पास समाप्त हो जाता है, जिससे गंदा पानी पूरे वर्ष सड़क और अंडरपास में भरा रहता है। बरसात में जलभराव दो से तीन फीट तक पहुंच जाता है, जिससे लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है। ज्ञापन में नाले की स्थायी निकासी, पाइप लाइन और पक्के ड्रेनेज निर्माण की मांग की गई है।

अण्डरपास में भरता है नाले का गंदा पानी

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि अंडरपास के दोनों ओर आज तक पर्याप्त स्ट्रीट लाइट नहीं लगाई गई है। रात में पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूबा रहता है, जिससे महिलाएं, छात्राएं, बुजुर्ग और बच्चे भय के माहौल में आवागमन करने को मजबूर हैं। समिति का दावा है कि यहां शराबखोरी, छेड़छाड़, लूटपाट और हत्या जैसी गंभीर घटनाएं हो चुकी हैं। सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की मांग भी उठाई गई है।रेलवे फाटक संघर्ष समिति ने सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि अंडरपास से जुड़ी सड़क शुरू से ही जर्जर है। रेलवे भूमि पर अतिक्रमण हटाने, अधूरी सड़क को कंक्रीट सड़क के रूप में पूरा करने और नाले को